राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

फसल अवशेषों को खेत में सड़ा कर बनाये खाद : डॉ.अजय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्र प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं की फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते है। डॉ. खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। यहां गौरव शुक्ला सहित सुनील कुमार, जगदीश कुमार, राम सजीवन, अनीता देवी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारम्भ

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे

अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला सहित प्रगतिशील किसान सुनील कुमार, जगदीश कुमार, राम सजीवन, अनीता देवी एवं दिव्या सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

.फो.

छात्रों से
ता चला
ाब होना
ता तक
सवाल
ालेज न
बात पर
लेकिन
गर यह
ह पहुंच
। उन्होंने
न करने
जाने व
ए। अगर
त जिंदा
ांजे का
ने उसके
र चेहरा
ार का
र्माण के

फसल अवशेष प्रबंधन पर प्रशिक्षण का हुआ शुभारम्भ

कानपुर, 20 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है।

स्तन कैं

कानपुर,20 फरव
में बुजुर्ग महिला
सर्जरी कर डाक
साथ ही स्तन को
रिकॉस्ट्रक्ट कर
कामयाबी हासिल
की बुजुर्ग महिला
जिसके चलते
महिला के स्तन
लेकिन उक्त
जटिलतायें फिर
चलते इलाज के
जीएसवीएम मेडि
प्रोफेसर डा संजय
उन्होने जांच के
की कैंसर सर्जरी
प्लान की। हाईटे
की मदद से प्रा
उनकी टीम ने बुज
जटिल कैंसर क
सर्जरी में उक्त
करीब 15 गुण
निकाला। जिसके
समरूपता बरकर
विभाग के प्लास्टि
शंकर ने जांघ से
कर बायें ब्रेस्ट को
का परचम लहरा